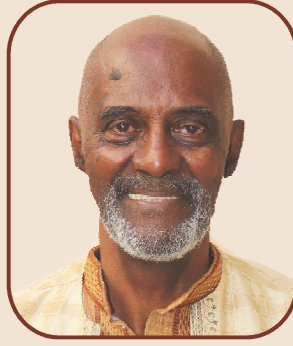


Padma Shri



SHRI FRED NEGRIT

Shri Fred NEGRIT is the founding President of Guadeloupean Council for Indian Languages, in the French West Indies. He is recognised for his role in promoting Indian Languages and Culture in the Islands of French West Indies. This has helped in promoting and dispersing Indian Languages and Culture to the common public and to the Indian Diaspora.

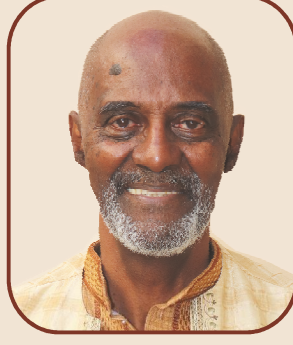
2. Born on 7th June, 1949, Shri NEGRIT completed his Master of Arts from the Université des Antilles Guyane (U.A.G.), Pointe à Pitre, Guadeloupe. He was a teacher at a government school for 35 years and retired as a Vice-Principal. He also did his Hindi Pravesh Certificate from Central Hindi Directorate, New Delhi. His passion for teaching, added to his Indian roots inspired him to start free classes of Indian languages at his home. He worked as volunteer for the Red Cross and with various Indian Associations in the Island for the promotion of Indian Culture.

3. Shri NEGRIT founded The Guadeloupean Council for Indian Languages (CGPLI), the first and only Indian languages school in the French West Indies, in 2002, which started with the promotion of Hindi, Sanskrit and Tamil initially and today, is also teaching other regional languages of India. He has been the founding president for 22 years and now is handing over the reins of the association to a new board of directors. It was a one-man army at the beginning. Slowly and steadily, with his die heart faith, passion for India and its culture and hard work managed to expand it into a full-fledged school which proudly receives students of all walks of life.

4. Shri NEGRIT started the WEST INDIA news magazine which broadcasts news of India to the local French Indian diasporas updating them and helping them to be connected to India. In the entire Island, The Independence Day and Republic Day are considered sacred and are celebrated by inviting the local Indians. All Indian festivals are marked by colorful celebrations and intellectual conferences to spread the awareness of the rich Indian culture and traditions.

5. Shri NEGRIT is the recipient of numerous awards and honours. The Red Cross honoured him with the Gold Medal for his selfless service that he offered to the community for 2 decades. The local Indian associations awarded him with various honours regularly.

पद्म श्री



श्री फ्रेड नेग्रिट

श्री फ्रेड नेग्रिट, फ्रेंच वेस्ट इंडीज में ग्वाडेलोपियन काउंसिल फॉर इंडियन लैंग्वेजेज के संस्थापक अध्यक्ष हैं। वह फ्रेंच वेस्ट इंडीज के द्वीपों में भारतीय भाषाओं और संस्कृति को बढ़ावा देने में अपनी भूमिका के लिए प्रसिद्ध हैं। इससे जनसाधारण और विश्व भर के भारतीयों के मध्य भारतीय भाषाओं और संस्कृति को बढ़ावा मिला है और इनका प्रचार-प्रसार हुआ है।

2. श्री नेग्रिट का जन्म 7 जून, 1949 को हुआ। उन्होंने यूनिवर्सिटी डेस एंटिल्स गुयाने (यू.ए.जी.), प्वाइंट ए पित्रे, ग्वाडेलोप से कला स्नातकोत्तर की पढ़ाई की। उन्होंने एक सरकारी स्कूल में 35 वर्ष तक शिक्षक के रूप में कार्य किया और उप-प्रधानाचार्य के रूप में सेवानिवृत्त हुए। उन्होंने केंद्रीय हिंदी निदेशालय, नई दिल्ली से हिंदी प्रवेश प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम भी पूरा किया। भारतवंशी होने के साथ-साथ अध्यापन के प्रति उनकी गहरी रुचि ने उन्हें अपने घर पर भारतीय भाषाओं की निःशुल्क कक्षाएं शुरू करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए रेड क्रॉस और इस द्वीप की विभिन्न भारतीय एसोसिएशनों के साथ स्वयंसेवक के रूप में काम किया।

3. श्री नेग्रिट ने 2002 में ग्वाडेलोपियन काउंसिल फॉर इंडियन लैंग्वेजेज (सीजीपीएलआई) की स्थापना की, जो फ्रेंच वेस्ट इंडीज में पहला और एकमात्र भारतीय भाषा स्कूल है। इस संस्थान ने प्रारम्भ में हिन्दी, संस्कृत और तमिल को बढ़ावा दिया और आज यह भारत की अन्य क्षेत्रीय भाषाएं भी सिखा रहा है। वह 22 वर्ष से इसके संस्थापक अध्यक्ष हैं और अब एसोसिएशन की बागडोर नए निदेशक मंडल को सौंप रहे हैं। शुरुआत में यह वन मैन आर्मी थी। अपने दृढ़ संकल्प, भारत और इसकी संस्कृति के प्रति असीम प्यार और कड़ी मेहनत से वह धीरे-धीरे एक ऐसा पूर्ण विद्यालय बनाने में सफल रहे, जहां सभी वर्गों के छात्र शिक्षा प्राप्त करने आते हैं।

4. श्री नेग्रिट ने वेस्ट इंडिया न्यूज पत्रिका शुरू की, जिसमें स्थानीय फ्रेंच इंडियन लोगों के लिए भारत से जुड़े समाचार होते हैं, और वे इससे नवीनतम जानकारी प्राप्त करके भारत से जुड़े रहते हैं। पूरे द्वीप में, स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस को पवित्र माना जाता है और स्थानीय भारतीयों को आमंत्रित करके इन्हें मनाया जाता है। समृद्ध भारतीय संस्कृति और परंपराओं की जानकारी देने के लिए सभी भारतीय त्योहारों के अवसर पर रंगारंग उत्सव मनाए जाते हैं और बौद्धिक सम्मेलनों का आयोजन किया जाता है।

5. श्री नेग्रिट को कई पुरस्कार और सम्मान प्राप्त हुए हैं। रेड क्रॉस ने 2 दशक तक निःस्वार्थ समाज सेवा के लिए उन्हें स्वर्ण पदक से सम्मानित किया। स्थानीय भारतीय संघों ने उन्हें समय-समय पर विभिन्न सम्मान प्रदान किए हैं।